राजस्थान राज्य आई.एल.डी. कौशल विश्वविद्यालय

शहरी कार्यालयः होटल खासाकोठी कैम्पस, एम.आई. रोड़, जयपुर

दूरभाषः 0141– 2361116–20, ई–मेलः risujaipur@gmail.com

वेबसाइटः www.rajskills.edu.in

राजस्थान राज्य आई.एल.डी. कौशल विश्वविद्यालय (रीसू) को 97 हजार वर्गमीटर भूमि आवंटित

जयपुर, 22 जुलाई। कौशल के क्षेत्र में देश के प्रथम विश्वविद्यालय का गौरव प्राप्त करने वाले राजस्थान राज्य (आई.एल.डी.) कौशल विश्वविद्यालय के स्थाई परिसर निर्माण हेतु जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा 97 हजार वर्गमीटर भूमि का आवंटन किया है। राजस्थान राज्य (आई.एल.डी.) कौशल विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. ललित के. पंवार ने बताया कि राज्य सरकार की पहल पर जयपुर विकास प्राधिकरण के आयुक्त श्री टी. रविकान्त ने तत्काल प्रभावी कदम उठाकर प्राधिकरण की नॉलेज सिटी, चौंप में 97 हजार 61 वर्गमीटर का संस्थानिक भूखण्ड आवंटित किया है। यह भूखण्ड प्राधिकरण की भूमि एवं सम्पत्ति निस्तारण समिति की हाल ही में सम्पन्न बैठक में निर्णय लेकर 99 वर्ष की लीज पर दिया गया है।

कुलपति डॉ. पंवार ने भूमि आवंटन के लिए राज्य सरकार तथा जयपुर विकास प्राधिकरण के प्रति आभार व्यक्त करते हुए बताया कि राज्य सरकार से बजट आवंटन होते ही भूमि का कब्जा लेकर विश्वविद्यालय के परिसर के निर्माण की कार्यवाही प्रारम्भ की जाएगी।

राजस्थान राज्य (आई.एल.डी.) कौशल विश्वविद्यालय (रीसू) की स्थापना 30 मार्च, 2017 को अधिनियम के तहत की गई। इस प्रथम शैक्षणिक सत्र जुलाई 2018 से प्रारम्भ हुआ जिसके प्रथम कुलपति भारत सरकार के सेवानिवृत्त पर्यटन सचिव एवं राजस्थान लोक सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. ललित के. पंवार को नियुक्त किया गया।

प्रथम शैक्षणिक सत्र में विश्वविद्यालय से सम्बद्ध 29 शिक्षण संस्थाओं के 1048 विद्यार्थियों का प्रथम बार नामांकन कर प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा दिसम्बर, 2018 में आयोजित की गई। विश्वविद्यालय की द्वितीय सेमेस्टर परीक्षा मई, 2019 में आयोजित हुई इसमें लगभग 1125 विद्यार्थियों द्वारा परीक्षा दी गई।

विश्वविद्यालय का दूसरा शैक्षणिक सत्र जो जुलाई 2019 से प्रारम्भ हुआ जिसमें सम्बद्धता प्राप्त करने वाले शिक्षण संस्थाओं की संख्या 29 से बढ़कर लगभग 110 हो गई है। इनके निरीक्षण कर सम्बद्धता देने की कार्यवाही की जा रही है। प्रथम शैक्षणिक सत्र में विश्वविद्यालय द्वारा विद्यार्थियों के अध्ययन हेतु कौशल क्षेत्र के 41 कोर्सेस उपलब्ध कराये गये जिनकी संख्या अब द्वितीय सत्र में बढ़कर 118 हो गई है।

कुलपति डॉ. ललित के. पंवार ने सभी कोर्सेस के पाठ्यक्रम निर्माण हेतु प्रमुख शिक्षाविद्ों को उनके क्षेत्र में डीन नियुक्त किये और लगभग 45 पाठ्यक्रम निर्माण समितियाँ (Board of Studies) बनाई गई। इनमें 300 से अधिक सदस्यों को मनोनीत किया गया है। इन सभी समितियों की बैठकें आयोजित की जाकर पाठ्यक्रम निर्माण का कार्य लगभग पूरा हो चुका है। इन समितियों में शिक्षाविद्ों के अतिरिक्त कौशल व उद्योग क्षेत्र के विशेषज्ञों को भी सम्मिलित किया गया है।

कुलपति डॉ. पंवार ने बताया कि विश्वविद्यालय ने एक अभिनव पहल करते हुए कॉनकरन्ट स्किल कोर्सेस (समवर्ती कौशल पाठ्यक्रम) प्रारम्भ करने की सहमति दी है जो राज्य के विभिन्न राजकीय विश्वविद्यालयों से जुड़े महाविद्यालयों में बी.ए., बी.एससी., बी. कॉम., बी.सी.ए., बी.बी.ए., बी.टेक. आदि पारम्परिक डिग्री कोर्सेस में अध्ययन कर रहे विद्यार्थियों के जीवन में बदलाव लाने और उन्हें रोजगार के क्षेत्र के लिए प्रेरित करने में सार्थक साबित होंगे।

''समवर्ती कौशल पाठ्यक्रमों'' को राजस्थान राज्य आई.एल.डी. कौशल विश्वविद्यालय के विनियमों की मंजूरी के पश्चात स्नातक डिग्री की शिक्षा प्राप्त कर रहा कोई भी विद्यार्थी कौशल आधारित सर्टिफिकेट, डिप्लोमा व एडवांस डिप्लोमा कर सकता है। इसके लिए यह विश्वविद्यालय विद्यार्थी का अलग से कॉनकरन्ट एनरोलमेंट करेगा जिसके लिए माइग्रेशन सर्टिफिकेट की आवश्यकता नहीं होगी।

विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. ललित के. पंवार ने बताया कि कॉनकरन्ट कोर्स दो क्रेडिट से लेकर 72 क्रेडिट तक के हैं। एक क्रेडिट का अर्थ है 30 घंटे कौशल शिक्षा प्राप्त करना। यदि विद्यार्थी न्यूनतम दो क्रेडिट (60 घंटे) कौशल शिक्षा आधारित पाठ्यक्रम का अध्ययन व प्रैक्टिकल करता है तो उस विद्यार्थी को ''टू क्रेडिट सर्टिफिकेट'' दिया जा सकता है। यदि विद्यार्थी 18 माह में 36 क्रेडिट कौशल शिक्षा जो ''नेशनल स्किल क्वालीफिकेशन फ्रेमवर्क (NSQF)'' के 5 लेवल के बराबर है को ''डिप्लोमा कॉनकरन्ट'' तथा यदि विद्यार्थी 36 माह (तीन वर्ष) में 72 घंटे कौशल आधारित शिक्षा के पाठ्यक्रम को पूरा करता है तो उसे ''एडवांस डिप्लोमा कॉनकरन्ट'' दिया जायेगा जो नियमित डिग्री के अतिरिक्त होगा। ये सर्टिफिकेट, एडवांस डिप्लोमा व डिप्लोमा विद्यार्थी को रोजगार से जोड़ने में कारगर साबित होंगे।

डॉ. पंवार ने बताया कि यह विश्वविद्यालय देश का प्रथम विश्वविद्यालय है जो युवाओं को कौशल शिक्षा से जोड़कर तत्काल रोजगार के लिए प्रेरित करता है। कोई भी विद्यार्थी उक्त परम्परागत डिग्री कोर्सेस में अध्ययन कर कॉनकरन्ट स्किल कोर्सेस से हुनरमंद बनते हुए तत्काल रोजगार प्राप्त करने हेतु सक्षम हो जाता है।